



नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 28

No. of Printed Pages – 08

**SS-26-Raj. Sah.****राजस्थानी साहित्य (RAJASTHANI SAHITYA)****उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2021****समय : 3¼ घण्टे****पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियां सारू सामान्य निर्देश :

- (1) सबसूं पैली आपरै प्रश्न-पत्र माथै नामांक लिखों ।
- (2) सगळा सवाल करना जरूरी है ।
- (3) हरेक सवाल रौ पडूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणौ है ।
- (4) अेक सूं अधिक भाग वाळा सवाला रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ ।
- (5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करिया ज्यादा अंक दिरीजैला ।
- (6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राख्तां ओपतो पडूत्तर देवौ ।
- (7) पडूत्तर राजस्थानी भासा मांय ईज देवणा है ।
- (8) पूर्णांक अर प्रश्नांक ठावी ठौड़ लिखियोड़ा है ।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक भार
खण्ड-अ	1 (i सूं x), 2 सूं 11 = 20	1	20
खण्ड-ब	12 सूं 19 = 8	2	16
खण्ड-स	20 सूं 23 = 4	4	16
खण्ड-द	24 सूं 25 = 2	5	10
खण्ड-इ	26 सूं 28 = 3	6	18

SS-26-Raj. Sah.

[ Turn over

## खण्ड - अ

1. नीचे लिखी प्रश्नों का पड़ते सही विकल्प से चयन करके उत्तर-पुस्तिका में लिखो -

(i) उज्जैन नगरी में कुणसो राजा राज करे हो ?

(अ) राजा पिरथीराज

(ब) राजा भोज

(स) राज राम

(द) अचलदास

(ii) 'कनक-सुन्दर' किणरी रचना है ?

(अ) बैजनाथ पंवार

(ब) मुरलीधर व्यास

(स) शिवचन्द्र भरतिया

(द) करणीदान बारहठ

(iii) "थारी खेती-पाती सूँ म्हारी दूकान रौ आटौ-साटौ करता व्हौ तो ना कोनी ।" आ बात कुण कैयी ?

(अ) भोमजी

(ब) ओमजी

(स) बादरजी

(द) रामदयालजी

(iv) 'आज रौ सरवण' किण गद्य-विधा रौ लेखन है ?

(अ) कहाणी

(ब) उपन्यास

(स) लघुकथा

(द) एकांकी

(v) रणमल्ल छंद किण भांत री रचना है ?

(अ) वीर रसात्मक

(ब) भक्तिपरक

(स) नीति-बोधपरक

(द) शृंगार रसात्मक

(vi) साल्हकुँवर कठै रौ राजकुमार हो ?

(अ) नरवरगढ़

(ब) पोकरण

(स) राजगढ़

(द) देवगढ़



(vii) 'देवीयाण' रा रचयिता कुण मानीजै ?

(अ) सूरजमल मीसण

(ब) बाँकीदास आसियाँ

(स) रामदास महियारिया

(द) ईसरदास बारहठ

1

(viii) छंदा रा केई भेद - उपभेद है पण मोटे रूप सूं छंद कितरी भांत रा व्है ?

(अ) दो

(ब) तीन

(स) सात

(द) पाँच

1

(ix) कवि रघुराजसिंह हाडा री कविता 'काजली तीज' किण काव्य-संग्रै सूं पाठ्यक्रम में राखीजी है ?

(अ) फूल केसूला फूल

(ब) अणवाच्यां आखर

(स) घूघरा

(द) म्हारौ गांव

1

(x) 'धर कोसां धर मजलां' निबंध-संग्रै रा निबंधकार है

(अ) जहूर खाँ मेहर

(ब) मूलदान देपावत

(स) शक्तिदान कविया

(द) लक्ष्मीकुमारी चूडाँवत

1

नीचै लिख्यां प्रश्नां रा पडूतर अेक ओळी में लिखों - अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न-संख्या 2 सूं 11 तक

2. राजा भोज रै मित्तरां रा नाम लिखों ।

1

3. 'सुख-दुख' बाबत स्वीडिस कहावत रो भाव काई है ?

1

4. 'सवाल शुद्धता' रो व्यंग्यपरक रचना रां रचनाकार रो नाम लिखों ।

1

5. 'गाय कठै बांधू' कहाणी किण शैली री रचना मानीजै ?

1

SS-26-Raj. Sah.

[ Turn over

6. 'ढोला मारु रा दूहा' काव्य-रूप री दीठ सूं किण प्रकार री रचना है ? 1
7. सिद्ध जसनाथजी समाधी कद अर कठै ली ? 1
8. 'ईसरा सो परमेसरा' रै बिडद सूं कुण सो कवि बखाणीजै ? 1
9. आचार्य विश्वनाथ काव्य री परिभाषा कांई दी ? लिखो । 1
10. श्रव्य काव्य रा मुख्य भेद बताओ । 1
11. राजस्थानी रो प्रमुख रीतिग्रन्थ, जिणमें अलकारां रो वरणन करीज्यौ है । नाम लिखों । 1

**खण्ड - ब**

नीचै लिख्यां प्रश्नां रा पडूत्तर 30 शब्दां रै लगैटगै लिखों - (प्रश्न सं. 12 सूं 19 तक)

12. अचलदास रै वीरतापूर्ण व्यक्तित्व री मूल विशेषतावां लिखो । 2
13. 'कनक सुन्दर' उपन्यास रो मूल उद्देश्य स्पष्ट कराओ । 2
14. 'अलेखू हिटलर' कहाणी रै मुजब लेखक विजयदान देथा री भाषा-शैली री मुख्य विशेषतावां लिखों । 2
15. 'आज रो सरवण' लघु कथा यथार्थ बोध रो साचों चित्रण प्रस्तुत करें । स्पष्ट कराओ । 2
16. 'ढोला-मारु रां दूहा' में वर्णित मारवणी रो सन्देश आपरां शब्दा में लिखों । 2
17. 'आयौ इंगरेज मुलक रै ऊपर' नामक पठित डिंगल गीत रो मूल भावार्थ लिखों । 2
18. 'लिछमी' नामक कवितां में कवि रेंवतदान चारण रो सुभग सन्देश उजागर करो । 2
19. 'काजली तीज' कविता में निहित सन्देश स्पष्ट करो । 2

## खण्ड – स

प्रश्न संख्या 20 सूँ 23 तक रा प्रश्नां रा पडूत्तर लगैटगै 60 शब्दां में लिखो –

20. अलंकार री परिभाषा देय'र अनुप्रास अलंकार ने भेदोपभेद सहित समझावौ ।

4

अथवा

हरिरस हरि रस ऐक है, अन रस अनरस आण ।

विण हरिरस हरि भक्ति विण, जनम व्रथा कर जाण ॥

ऊपर लिख्योड़े पद्यांश में कुणसो अलंकार है, पहचाण कर'र उणरी परिभाषा देय'र समीक्षा करो ।

4

21. कुण्डलियों नामक छंद री सौदाहरण व्याख्या करो ।

4

अथवा

“ ‘छप्पय’ डिगल रो प्रतिष्ठित छंद है ।” इण ओळी ने ध्यान में राखतां थकां छप्पय छंद री सौदाहरण व्याख्या करो ।

4

22. “मध्यकाल, राजस्थानी साहित्य सृजण री दीठ सूँ सुवरण काल है” इण कथन नै समझावौ ।

4

अथवा

आधुनिक राजस्थानी काव्य री काव्यगत विशेषतावां बताओ ।

4

23. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधा ‘कहाणी’ री विकास-यात्रा माथै एक टीप लिखों ।

4

अथवा

आधुनिक राजस्थानी गद्य री मुख्य विधावां रो परिचय देय'र समीक्षात्मक टीप लिखों ।

4



प्रश्न संख्या 24 सू 25 तक रा प्रश्नां रा पडूत्तर 80 शब्दा में लिखों -

24. नीचे लिख्यां गद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करो -

“दुख रो कारण मोह अर आसक्ति भी है । औ म्हारौ है । म्हारौ इणरै साथै संबंध है । माँ, बाप, भाई, भाण, बेटो-बेटी, दादा-दादी, नाना-नानी, मामा-मामी, साली-सालौ, बैनोई, नणदोई न जाणे कित्तां संसारी रिस्ता-नाता है जिकां रै मोह बंधन सू ओ मानवी बंध्योड़ौ है ।”

अथवा

“सांच ने आंच नहीं - सचावट दुनियां माहे मोटी चीज छै । सच्चा आदमी पर सारां को विस्वास बैठ जावै । विस्वास बैट्यां पीछे कोई बात की कमती नहीं, साच नै कठे भी डर नहीं, धोकौ नहीं और खराबो नहीं, सांच ऊपर सूर्य, चन्द्र, तारा, प्रथ्वी चाल रह्या छै ।”

25. नीचे लिख्यां पद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करो :

तूं हीज सज्जण मित्त तूं, प्रीतम तूं परिवाण ।

हियड़ई भीतर तूं बसई, भावइ जाण मं जाण ॥

हूं बलिहारी सज्जणां, सज्जण मो बलिहार ।

हूं सज्जण पग पानही, सज्जण मो गलहार ॥

अथवा

धिन धिन वे धरती रा जाया, जो निज आपौ मेट ।

नयौ रूप आकार धरा नै, जो कर जावै भेट ॥

SS-26-Raj. Sah.

## खण्ड - इ

नीचे लिख्यां प्रश्नां रा पडूत्तर निबन्धात्मक रूप में दिरावों :

26. 'अचलदास खीची री वचनिका' रो साहित्यिक सौन्दर्य निरूपण करो ।

6

अथवा

'सुख-दुख' नामक पठित निबन्ध रो भावार्थ आपरे सबदां में लिखों ।

27. 'देवीयांग' में शक्ति रै विराट सरूप री दिव्य छटा दरसायी है । उदाहरण साथै स्पस्ट करो ।

6

अथवा

'ढोलां मारु रा दूहां' में वर्णित मारवणी री विरह-वेदनां ने आपरे सबदां में लिखों ।

28. नीचे लिख्या विषयां मांय सूं किणी एक विषय माथै निबन्ध लिखों -

6

- (i) म्हारौ प्रिय साहित्यकार
- (ii) राजस्थान रा तीज-त्यौहार
- (iii) मातृभाषा अर शिक्षा
- (iv) विध्यारथी जीवन अर अनुशासन
- (v) पर्यावरण चेतना





**DO NOT WRITE ANYTHING HERE**



*SS-26-Raj. Sah.*

